मिलकर करें मिलान

इस लोककथा में से चुनकर कुछ वाक्य नीचे स्तंभ 1 में दिए गए हैं। उनके भाव या अर्थ से मिलते-जुलते वाक्य स्तंभ 2 में दिए गए हैं। स्तंभ 1 के वाक्यों को स्तंभ 2 के उपयुक्त वाक्यों से सुमेलित कीजिए-

	स्तंभ 1		स्तंभ 2
1.	कुछ समय पश्चात् पिता चल बसे।	1.	घोड़े पर सवार व्यक्ति ने तीनों भाइयों को अविश्वास से देखा।
2.	हम कहीं भी क्यों न हो, भूखे नहीं मरेंगे।	2.	थोड़े समय के बाद पिता का देहांत हो गया।
3.	घुड़सवार ने तीनों भाइयों को शंका की दृष्टि से देखा।	3.	लोग इतने अचंभित थे कि उनका आश्चर्य व्यक्त करना कठिन था।
4.	बचपन से ही हमें ऐसी आदत पड़ गई है कि हम कुछ भी अपनी दृष्टि से नहीं चूकने देते।	4.	बचपन से ही हमें आदत हो गई है कि हम हर छोटी-बड़ी वस्तु पर ध्यान अवश्य देते हैं।
5.	लोगों के आश्चर्य का कोई ठिकाना न था।	5.	हम चाहे जहाँ भी हो, हमें खाने के लिए कुछ न कुछ मिल ही जाएगा।